إِنَّ ٱلَّذِينَ يَكۡفُرُونَ بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ وَيَقۡتُلُونَ ٱلنَّبِيِّـۧنَ بِغَيۡرِ
حَقّٖ وَيَقۡتُلُونَ ٱلَّذِينَ يَأۡمُرُونَ بِٱلۡقِسۡطِ مِنَ ٱلنَّاسِ فَبَشِّرۡهُم
بِعَذَابٍ أَلِيمٍ ٢١ أُوْلَٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ حَبِطَتۡ أَعۡمَٰلُهُمۡ فِي ٱلدُّنۡيَا
وَٱلۡأٓخِرَةِ وَمَا لَهُم مِّن نَّٰصِرِينَ ٢٢ أَلَمۡ تَرَ إِلَى ٱلَّذِينَ أُوتُواْ
نَصِيبٗا مِّنَ ٱلۡكِتَٰبِ يُدۡعَوۡنَ إِلَىٰ كِتَٰبِ ٱللَّهِ لِيَحۡكُمَ
بَيۡنَهُمۡ ثُمَّ يَتَوَلَّىٰ فَرِيقٞ مِّنۡهُمۡ وَهُم مُّعۡرِضُونَ ٢٣ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمۡ
قَالُواْ لَن تَمَسَّنَا ٱلنَّارُ إِلَّآ أَيَّامٗا مَّعۡدُودَٰتٖۖ وَغَرَّهُمۡ فِي دِينِهِم
مَّا كَانُواْ يَفۡتَرُونَ ٢٤ فَكَيۡفَ إِذَا جَمَعۡنَٰهُمۡ لِيَوۡمٖ لَّا رَيۡبَ فِيهِ
وَوُفِّيَتۡ كُلُّ نَفۡسٖ مَّا كَسَبَتۡ وَهُمۡ لَا يُظۡلَمُونَ ٢٥ قُلِ ٱللَّهُمَّ
مَٰلِكَ ٱلۡمُلۡكِ تُؤۡتِي ٱلۡمُلۡكَ مَن تَشَآءُ وَتَنزِعُ ٱلۡمُلۡكَ مِمَّن
تَشَآءُ وَتُعِزُّ مَن تَشَآءُ وَتُذِلُّ مَن تَشَآءُۖ بِيَدِكَ ٱلۡخَيۡرُۖ إِنَّكَ عَلَىٰ
كُلِّ شَيۡءٖ قَدِيرٞ ٢٦ تُولِجُ ٱلَّيۡلَ فِي ٱلنَّهَارِ وَتُولِجُ ٱلنَّهَارَ فِي
ٱلَّيۡلِۖ وَتُخۡرِجُ ٱلۡحَيَّ مِنَ ٱلۡمَيِّتِ وَتُخۡرِجُ ٱلۡمَيِّتَ مِنَ ٱلۡحَيِّۖ
وَتَرۡزُقُ مَن تَشَآءُ بِغَيۡرِ حِسَابٖ ٢٧ لَّا يَتَّخِذِ ٱلۡمُؤۡمِنُونَ
ٱلۡكَٰفِرِينَ أَوۡلِيَآءَ مِن دُونِ ٱلۡمُؤۡمِنِينَۖ وَمَن يَفۡعَلۡ ذَٰلِكَ
فَلَيۡسَ مِنَ ٱللَّهِ فِي شَيۡءٍ إِلَّآ أَن تَتَّقُواْ مِنۡهُمۡ تُقَىٰةٗۗ
وَيُحَذِّرُكُمُ ٱللَّهُ نَفۡسَهُۥۗ وَإِلَى ٱللَّهِ ٱلۡمَصِيرُ ٢٨ قُلۡ إِن تُخۡفُواْ
مَا فِي صُدُورِكُمۡ أَوۡ تُبۡدُوهُ يَعۡلَمۡهُ ٱللَّهُۗ وَيَعۡلَمُ مَا فِي
ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِي ٱلۡأَرۡضِۗ وَٱللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيۡءٖ قَدِيرٞ ٢٩ يَوۡمَ

تَجِدُ كُلُّ نَفۡسٖ مَّا عَمِلَتۡ مِنۡ خَيۡرٖ مُّحۡضَرٗا وَمَا عَمِلَتۡ مِن سُوٓءٖ تَوَدُّ لَوۡ أَنَّ بَيۡنَهَا وَبَيۡنَهُۥٓ أَمَدَۢا بَعِيدٗاۗ وَيُحَذِّرُكُمُ ٱللَّهُ نَفۡسَهُۥۗ وَٱللَّهُ رَءُوفُۢ بِٱلۡعِبَادِ ٣٠

Theme	
Warning of a painful punishment for disbelief. Jews and Christians are being deceived by their own self-invented beliefs. It is Allah Who gives or takes away the kingdom and honour. Prohibition of taking disbelievers as protectors.	कुफ़्र पर दर्दनाक अज़ाब की तंबीह। यहूद व नसारा अपने ही गढ़े हुए अक़ाइद के फ़रेब में मुब्तला हैं। बादशाहत और इज़्ज़त देना या छीन लेना सिर्फ़ अल्लाह के इख़्तियार में है। काफ़िरों को अपना हामी व सरपरस्त बनाने की मुमानअत।
Tarjumani	
Give a warning to those who deny Allah's revelations, who slay the Prophets with-out any justification, and who kill those from among the people who enjoin justice, that there is a painful punishment for them. They are the ones whose deeds will become void in this world and in the Hereafter, and they will have no helpers. Have you not seen the behavior of those (Jews) who have been given a	जो लोग अल्लाह के अहकाम व हिदायात को मानने से इनकार करते हैं और उसके पैगम्बरों को नाहक़ क़त्ल करते हैं और ऐसे लोगों की जान के दरपै हो जाते हैं जो खालके-ख़ुदा में से अद्ल व रास्ता का हुक्म देने के लिए उठें, उनको दर्दनाक सज़ा की खुशखबरी सुना दो	ये वे लोग हैं जिनके आमाल दुनिया और आख़िरत दोनों में जाया हो गए, और इनका मददगार कोई नहीं है	तुमने देखा नहीं कि जिन लोगों को किताब

portion of the Book? When they are invited to settle their disputes according to the Book of Allah, some of them turn back and decline. This is because they say: "The fire of Hell shall not touch us except for a few days." In their religion they are deceived by their own self-invented beliefs. What will they do when We will gather them together on the Day which is sure to come, when every soul will be given what it has earned and there shall be no injustice? Say: "O Allah! Owner of the Kingdom, You give the kingdom to whom You please and take away the kingdom from whomsoever You please; You give honor to whom You please and disgrace whom You please; all the good is in Your hand; surely, You have power over everything You cause the night to pass into the day and You cause the day to pass into the night; You draw the living from the dead and You draw the dead from the living, and	के इल्म में से कुछ हिस्सा मिला है, उनका हाल क्या है? उन्हें जब किताबे-इलाही की तरफ़ बुलाया जाता है ताकि वह उनके दरमियान फ़ैसला करे, तो उनमें से एक फ़रीक इससे पहलू-तिही करता है और इस फ़ैसले की तरफ़ आने से मुँह फेर जाता है	उनका यह तर्ज़े-अमल इस वजह से है कि वे कहते हैं, "आतिशे-दोज़ख तो हमें मस तक न करेगी, और अगर दोज़ख की सज़ा हमको मिलेगी भी तो बस चन्द रोज़ |" उनके खुदसाख्ता अकीदों ने उनको अपने दीन के मामले में बड़ी गलतफहमियों में डाल रखा है	मगर क्या बनेगी उनपर जब हम उन्हें उस रोज़ जमा करेंगे जिसका आना यकीनी है? उस रोज़ हर शख्स को उसकी कमाई का बदला पूरा-पूरा दे दिया जाएगा और किसी पर ज़ुल्म न होगा? कहो, खुदाया, मुल्क के मालिक, तू जिसे चाहे हुकूमतदे और जिससे चाहे छीन ले	जिसे चाहे इज़्ज़त बख्शे और जिसको चाहे ज़लील कर दे	भलाई तेरे इखतियार में है	बेशक तू हर चीज़ पर क़ादिर है	रात को दिन में पिरोता हुआ ले आता है और दिन को रात में	बेजान में से जानदार को निकालता है और जानदार में से

You provide sustenance for anyone You wish without measure." Let not the believers make unbelievers their protectors instead of the believers; anyone who does so will have nothing to hope for from Allah except if you do so as a precaution to guard yourselves against their tyranny. Anyhow, Allah warns you to fear Him: because with Allah is your final refuge, Say: "Whether you conceal what is in your heart or reveal it, it is known to Allah. He knows whatever is in the heavens and whatever is in the earth. Allah has full power over everything. On the Day of Judgment, when every soul will be confronted with whatever good it has done and those who have done bad deeds will wish that their evil deeds were a long way off. Allah cautions you to beware of Him. Allah is full of kindness towards His devotees.	बेजान को	और जिसे चाहता है, बेहिसाब रिज्क देता है	मोमिनीन अहले-ईमान को छोड़कर काफिरों को अपना रफ़ीक और यारो-मददगार हरगिज़ न बनाएँ	जो ऐसा करेगा उसका अल्लाह से कोई ताल्लुक नहीं	हाँ, यह माफ़ है कि तुम उनके ज़ुल्म से बचने के लिए बज़ाहिरऐसा तर्ज़े-अमल इखतियार कर जाओ	मगर अल्लाह तुम्हें अपने आपसे डराता है, और तुम्हें उसी कीतरफ़ पलटकर जाना है	ऐ नबी, लोगों को ख़बरदार कर दो कि तुम्हारे दिलों में जो कुछ है उसे खाह तुम छिपाओ या ज़ाहिर करो, अल्लाह बहरहाल उसे जानता है, ज़मीन और आसमानों की कोई चीज़ उसके इल्म से बाहर नहीं है और उसका इकतिदार हर चीज़ पर हवी है	वह दिन आनेवाला है जब हर नफ्स अपने किए का फल हाज़िर पाएगा, खाह उसने भलाई की हो या बुराई	उस रोज़ आदमी यह तमन्ना करेगा कि काश अभी यह दिन उससे बहुत दूर होता! अल्लाह तुम्हें अपने आप से डराता है और वह अपने बन्दों का निहायत खैरखाह है	
Tafsir	